इफिसियन क पत्र

1 पौलुस कइँती स, जउन परमेस्सर क इच्छा ईसू मसीह
क एक प्रेरित अहइ, इफिसुस क रहइवाले संत जनन
अउर ईसू मसीह मँ बिसवास रखइवालन क नाउँ:
2तू लोगन क हमरे परमपिता परमेस्सर अउर ईसू मसीह
कइँती स अनुग्रह अउर सांति मिलइ। मसीह मँ स्थित लोगन
क आध्यात्मिक असीसन
3हमरे पर्भू ईसू मसीह क पिता अउर परमेस्सर धन्य होइ।
ओहमाँ हमका मसीह क रूप मँ सरगे क क्षेत्र मँ हर तरह
क आसीर्बाद दिहे अहइँ। 4-5संसार क रचना स पहिले ही
परमेस्सर हमका, जउन मसीह मँ स्थित बा, अपने सामने
पवित्तर अउर निर्देस बनई क बरे चुनेस। हमरे बरे ओकर
जउन पिरेम बा उही क कारण उ ईसू मसीह क द्वारा
हमका अपने बेटवा क रूप मँ स्वीकार कीन्ह जाइ बरे
नियुक्त किहेस। इहइ ओकर इच्छा रही अउर प्रयोजन रहा।
6उ अइसा एँह बरे किहेस परमेस्सर अपने महिमा अउर
अनुग्रह बरे प्रसंसित करइ। उ एका हमका, जउन ओकर
पिआरा बेटवा मँ स्थित बा मुक्त भाव स दिहेस। 7हमका,
ओहमाँ ओकर लहू क द्वारा छुटकारा, अर्थात् हमरे अपराधन
क छमा ओकरे अनुग्रह क धन क अनुसार मिली ह।
ओकर सम्पन्न अनुग्रह क कारण हमका हमरे पापन क
छमा मिलत ह। अपने उही पिरेम क अनुसार जेका उ मसीह
क द्वारा हम पर परगट करइ चाहत रहा। 8उ हमका
आपन इच्छा क रहस्य क बताएस ह। 9जइसा कि मसीह क
जरिये हमका उ देखॉवइ चाहत रहा। 10परमेस्सर क इ
योजना रही कि अच्छा समइ पर सरग क अउर पृथ्वी पर
क सभन वस्तुअन क मसीह मँ एकत्र करइ।
11सब बातन योजना अउर परमेस्सर क निस्चय क
अनुसार कीन्ह जात हीं। अउर परमेस्सर अपने निजी प्रयोजन
क कारण ही हमका उही मसीह मँ संत बनवई क बरे चुने
अहइ। इ ओकरे अनुसार इ भवा जेका परमेस्सर अनादिकाल
स सुनिस्चित कइ रखे रहा। 12ताकि हम ओकरी महिमा क
प्रसंसा क कारण बनि सकी। हम यानी सबसे पहले जे लोग
आपन आसा क मसीह पर केन्द्रित कइ दिहे अहइँ। 13जब
तू उ सत्य क उपदेस सुन्या जउन तू सबन उद्धार क
सुसमाचार रहा, अउर जउने मसीह पर तू बिसवास किहे
रह्या। तउ जउने पवित्तर आतिमा क बचन दिहे रह्या।
मसीह क जरिये स ओकर छाप परमेस्सर क दुआरा तोहे
जने पर लगाय गइ। 14उ आतिमा हमरे उतराधिकार क
भाग क जिम्मेदारी क बयाना क रूप मँ ओह समइ तलक
बरे हमका दीन्ह गवा रहा। जब तलक कि उ हमका जउन
ओकर आपन अहइँ पूरी तरह उद्धार नाहीं दइ देत। एकरे
कारण लोग ओकरे गरिमा क प्रसंसा करिहीं।

इफिसियनन क बरे पौलुस क पराथना

15-16इही बरे जब स मइँ पर्भू ईसू मसीह मँ तोहरे
बिसवास अउर सभन सन्तन क बरे तू सबन क पिरेम क
विसय मँ सुने हउँ। मइँ तू पचन क बरे परमेस्सर क
धन्यबाद निरन्तर करत हउँ अउर तू पचन क अपनेन
पराथना मँ याद करत हउँ। 17मइँ पराथना करत रहत हउँ
कि हमार पर्भू ईसू मसीह महिमावान परमपिता क परमेस्सर
तू पचन क विवेक अउर दिव्य दर्सन क अइसेन आतिमा क
सक्ती प्रदान करइ। जैसे तू पचे ओका अच्छी तरह क जान
सका।
18मोर बिनती बा कि तोहरे हीये (हृदय) क आँखिन खुल
जाइँ अउर तू प्रकास क दर्सन कइ सका ताकि तू पचन क
पता चल जाइ कि उ आसा का अहइ जेकरे बरे तू पचन
क उ बोलाए अहइ। अउर जेकरे उत्तराधिकार क उ अपने
सभन पवित्तर जने क देई। उ केतॅना अद्‌भुत अउर सम्पन्न
बाटइ। 19अउर हम बिसवासियन क बरे ओकर सक्ती
बेमिसाल रूप स केतॅना महान बा। इ सक्ती अपनी महान
सक्ती क ओह प्रयोग क समान बा। 20जेका उ मसीह मँ
तब कामे मँ लिहे रहा जब मरे हुवन मँ स ओका फिन स
जियाइ क सरगे क छेत्र मँ आपन दिहिनीं कइँती बइठाइके
21सबहुँ सासकन, अधिकारियन समरथन, अउर राजा लोगन,
अउर हर कउनो अइसेन सक्तिसालिन पदबी क उप्पर
स्थापित किहे रहा। जेका न केवल उ युगे मँ बल्कि
आवइवाले युगे मँ किहीउ क दिहा जाइ सकत ह।
22परमेस्सर सब कछू तउ मसीह क चरन क नीचे कइ
दिहेस अउर उहइ मसीह क कलीसिया क सभी चीजन क
सर्वोच्च अधिकारी बनायेस। 23कलीसिया मसीह क तन अहइ
अउर सब बिधियन स सब कछू क ओकर पूर्णतया ही
परिपूर्ण करत ह।

मउत स जीवन कइँती

2 एक समइ रहा जब तू लोग उन पराधन अउर पापन क
कारण आध्यात्मिक रूप स मरा हुआ रह्या। 2जेहमें तू
पचे पहिले, संसार क खराब रस्तन पर चलत-चलत अउर
वह आतिमा क अनुसरण करत-करत जिअत रह्या। जउन
इह धरती क बुरी सक्तियन क स्वामी रही उहइ आतिमा
अब उ मनइयन मँ काम करत अहइ जउन परमेस्सर क
आज्ञा क नाही मनतेन। 3एक समइ हमहूँ ओनही क बीच
जिअत रहे अउर आपन पाप-पूर्ण प्राकृतिक भौतिक मनई
सुभाऊ क तृप्त करत अपने हीये अउर पाप-पूर्ण इच्छन का
जोउ हमार सरीर अउर मन चाहत रहा का पूरन करत भए

संसार क दूसरे लोगन क समान परमेस्सर क किरोध क
पात्र रहे।
4परन्तु परमेस्सर करुना क धनी बाटइ। हमरे बरे अपने
महान पिरेम क कारण 5उ समइ अवज्ञा क कारण हम
आध्यात्मिक रूप स अबहीं मरा ही रहे, मसीह क
साथे-साथे उ हमहूँ क जीवन दिहेस (परमेस्सर क अनुग्रह स
ही तोहार उद्धार भवा बा।) 6अउर काहेकि हम मसीह ईसू
मँ अही इही बरे परमेस्सर हमका मसीह क साथेन फिन स
जी उठाएस। अउर ओकरे साथ ही सरगे क सिंहासन पर
बइठाएस 7ताकि उ आवइवाले हर युगे मँ अपन अनुग्रह क
अनुपम धन क देखावइ जेका उ मसीह ईसू मँ आपन दया
क रूप मँ हम पर दरसाए अहइ 8परमेस्सर क अनुग्रह
दुआरा आपन बिसवास क कारण तू बचावा गया ह। इ तू
सबन क तोहरी कइँती स मिली नाहीं बा, बल्कि इ तउ
परमेस्सर क बरदान अहइ। 9इ हमरे किहे कर्मन क परिणाम
नाही बा कि हम एकर गरब कइ सकी। 10काहेकि परमेस्सर
हमार सृजनहार अहइ। उ मसीह ईसू मँ हमार सृस्टि इही बरे
किहेस ह कि हम नेक काम करी। जेनका परमेस्सर हमरे
बरे तइयार किहे अहइ कि हम ओनहीं क करत भए आपन
जीवन बिताई।

मसीह मँ एक

11इही बरे याद रखा, उ लोग जउन अपने सरीरी मँ
मानुस हाथन दुआरा कीन्ह गवा खतना क कारण अपने
आप क "खतना सहित" बतावत हीं, विधर्मी क रूप मँ
जनमें तोहे लोगन क "खतना रहित" कहत हीं। 12ओह
समइ तू बिना मसीह क रह्या तू इस्राएल क बिरादरी स
बाहेर रह्या। परमेस्सर तउ अपने भक्तन क जउन बचन दिहे
रहा उ ओनपर आधारित करार स अनजाना रहा। अउर इ
संसार मँ बिना परमेस्सर क बिसवास क, अउर बिना ओका
जाने निराश जीवन जिअत रहा। 13परन्तु अब तोहे सबन क,
जउन कभऊँ परमेस्सर स बहुत दूर रहेन, ईसू मसीह क लहू
क दुआरा मसीह ईसू मँ तोहरे स्थिति क कारण, परमेस्सर
क लगे लई आवा गवा रहेन।
14यहूदियन अउर गैर यहूदियन आपस मँ एक दूसरे स
नफ़रत करत रहेन अउर अलग होइ ग रहेन। ठीक
अइसेनई जइसे ओनके बीच मँ कउनउ देवार खड़ी होइ।
परन्तु मसीह तउ खुद अपने देह क बलिदान दइके नफरत
क ओह देवार क गिराइ दिहेस। उ हमरे लिये सान्ति लावा
अउर हम दोउन का एक बनाएस। 15उ अइसेन तब किहेस
जब अपने सभन नियमन अउर व्यवस्था क विधान क खतम
कई दिहेस। उ अइसेन एह बरे किहेस कि उ अपने मँ एनन्ह
दुन्नऊ क एक मँ मिलाइके एक नए मनुस्य क सृस्टि कइ
दिहेस। अउर एह तरह स मिलाप कराइके सान्ति लिआवा।
क्रूस पर अपने मउत क द्वारा उ एह घृणा क अंत कई
दिहेस। अउर उ दुन्नऊ का परमेस्सर क साथे उहइ एक
सरीर मँ मिलाइ दिहेस। 16अउर क्रूस पर आपन मउत क
जरिये वैरभाव क नास कइके एक्कइ देह मँ ओनन्ह दुन्नऊँ
क संयुक्त कइके परमेस्सर स फिन मिलाई दिहेस। 17तउन
आइके उ तू सबन क, जउन परमेस्सर स बहुत दुर रहेन।
अउर परमेस्सर ओनके लगे रहा, ओन्हे सान्ती क सुसमाचार
सुनाएन। 18काहेकि ओन्ही क द्वारा एक्कइ आतिमा स
परमपिता क लगे तलक हम दुन्नऊ क पहुँच भई।
19परिणाम सरूप जब तू पचे न अनजान रह्या अउर न ही
पराया। बल्कि पवित्तर लोगन क संगी साथी अउर परमेस्सर
के कुटुम्ब क बन गया ह। 20तू पचे एक अइसेन भवन
अहा जउन प्रेरितन अउर नबियन क नींव पर खड़ा बा।
अउर खुद मसीह ईसू जेकर अधिक महत्वपूर्ण कोने क
पाथर अहइ। 21उ पूरी इमारत एक साथ पर्भू ईसू मँ मिली
अहइ अउर मसीह एँका बनावत चलत ह अउ परमेस्सर मँ
एक पवित्तर मंदिर बनत जात ह। 22जहाँ आतिमा क द्वारा
खुद परमेस्सर निवास करत ह अउर, दूसरे लोगन क साथे
तोहार निर्माण कीन्ह जात ह।

गैर यहूदियन मँ पौलुस क प्रचार-काम

3 इही बरे मइँ, पौलुस तू गैर यहूदियन क तरफ स
मसीह ईसू बरे बंदी बना हउँ। 2तोहरे कल्लयान बरे
परमेस्सर अनुग्रह क साथे जउन काम मोका संउपे अहइ,
ओकरे बारे मँ तू जरुर ही सुने होब्या। 3कि उ रहस्यमयी
योजना दिव्यदर्सन क द्वारा मोका जनाई गइ रही, जइसेन
कि मइँ तू सबन क संक्षेप मँ लिख ही चुका अहउँ। 4अउर
अगर तू पचे ओका पढ़ब्या तउ मसीह-बिसयक रहस्यपूर्ण
सच मँ मोरी अन्तरदृस्टी क समझ तू पचन क होइ जाइ।
5इ रहस्यमय सत्य पिछली पीढ़ीक लोगन क वइसेन ही
नाहीं जनावा गवा रहा जइसे जब ओकर आपन पवित्तर
प्रेरितन अउर नबियन क आतिमा क द्वारा जनावा जाई
चुका बा।
6इ रहस्यमय सत्य अहइ कि यहूदियन क साथे गैर
यहूदियन साथ साथ उत्तराधिकारी अहइँ, एक्कइ सरीर क
अंग अहइँ अउर मसीह ईसू मँ जउन बचन हमका दीन्ह
गवा बा ओहमन सहभागी बाटेन। 7सुसमाचार क कारण मइँ
ओह सुसमाचार क प्रचार करइवाला एक सेवक बन गवा
अहउँ। जउन ओकर सक्ती क अनुसार परमेस्सर क अनुग्रह
क बरदान स्वरूप मोका दीन्ह गवा रहा। 8जद्यपि सभन
संतजनन मँ मइँ छोट स छोटकवा हउँ परन्तु मसीह क
अनन्त धन रूपी सुसमाचार क गैर यहूदियन मँ प्रचार करइ
क इ बिसेस अधिकार मोका दीन्ह गवा 9कि मइँ सभन जने
क बरे ओन रहस्यपूर्ण जोजना क स्पस्ट करउँ जउन सब
कछू क सिरजनहार परमेस्सर मँ सिस्टी क प्रारम्भ स ही
छुपी रहिन।
10ताकि उ सरगे क क्षेत्र क सक्तियन अउर प्रसासकन
क अब ओह परमेस्सर क विधी गियान क कलीसिया क
द्वारा परगट कई सकइ। 11इ ओह सनातन प्रयोजन क
अनुसार सम्पन्न भवा जउन ओ हमरे पर्भू मसीह ईसू मँ पूरा
किहे रहा। 12मसीह मँ बिसवास क कारण हम परमेस्सर
तलक भरोसा अउर निडरता क साथे पहुँच रखत अही।
13इही बरे मइँ पराथना करत हउँ कि तोहरे बरे मइँ जउन
यातना भोगत हउँ, ओनसे आसा जिन छोड़ बइठ्या काहेकि
इ यातना मँ तउ तोहर महिमा बा।

मसीह क पिरेम

14इही बरे मइँ परमपिता क आगे निहुरत अहउँ। 15उहइ स सरगे मँ या धरती पइ क सभन वंस अपने-अपने नाउँ ग्रहण करत हीं। 16मइँ पराथना करत हउँ कि उ महिमा क अपने-धने क अनुसार अपने आतिमा क दुवारा तोहरे भीतर व्यक्तित्व क सक्तिपूर्वक सदृढ करइ। 17मइँ पराथना करत हउँ कि बिसवासे क दुआरा तोहरे हीये मँ मसीह क निवास होइ। तोहरे जीवन मँ पिरेम दृढ़ अउर आधारित होइ। 18मइँ परातथना करत हउँ कि जेहसे तोहका अउर परमेस्सर क पवित्तर लोगन क साथे इ समझई क सक्ती मिलि जाइ कि मसीह क पिरेम केतना व्यापक, विस्तृत, विसाल अउर गम्भीर बा। 19अउर तू मसीह क ओह पिरेम क जान ल्या जउन सभन प्रकार क गियन (सोनों) स परे अहइ ताकि तू परमेस्सर क सभन पूरापन स भरि जा। 20अब ओह परमेस्सर क बरे जउन आपन ओह सक्ति स जउन हममें काम करत ब। जेतना हम माँग सकीत अही या जहाँ तलक हम सोच सकीत अही, ओहसे कहूँ अधिक कइ सकत ह। 21ओकर कलीसिया मँ अउर ईसू मसीह मँ अनन्त पीढ़ियन तलक हमेसा-हमेसा बरे महिमा होत रहइ। आमीन।

एक देह

4 तउन मइँ, जउन पर्भू क होई कारण बन्दी बना भवा हउँ। तू लोगन स पराथना करत हउँ कि तू सबन क आपन जीवन वइसे ही जिअइ चाही जइसे न कि सन्तन क अनुकूल होत ह। 2हमेसा नम्रता अउर कोमलता क साथे, धीरज क साथ आचरण। अउर एक दूसरे क पिरेम स कहत रहा। 3उ सान्ति, जउन तू पचन क आपस मँ बाँधत ह, ओसे उत्पन्न आतिमा क एकता क बनाए रखइ क बरे हर तरह क यत्न करत रहा। 4देह एक बा अउर पवित्तर आतिमा भी एक्कइ बा। अइसेन ही जब तोहे बोलॉवा गवा त एक्कई आसा मँ भगीदास्र होइ क बरे ही बोलावा गवा। 5एक्कइ परमेस्सर बा, एक्कइ बिसवास बा अउर बा एक्कइ बपतिस्मा। 6परमेस्सर जउन सबका परमपिता अहइ एक्कइ बा। उहइ सब कछू क स्वामी बा, हर कउनो क द्वारा उहइ क्रियासील बा, अउर हर मँ उहइ समावा बाटई।

7ईसू हममें स हर कउनो क एक विशेष उपहार दिहे अहइ। हर मनई उहइ पाएस जेका ईसू ओका देइ चाहत रहा। 8इही बरे सास्त्रन कहत हीं:

“ऊँचा चढ़ा उ अकासे मँ अपने संग बन्दी क लिहेस अउर दिहेस लोगन क आपन आनन्द।”

भजन संहिता 68:18

9अब देखा। जब उ कहत ह “ऊँचे चढ़ा” तउ एकर अर्थ एकरे अलावा का बा? कि उ धरती क नीचे हींसा पर उतरा रहा। 10जउन नीचे उतरा रहा, उ उहइ अहइ जउन ऊँचे पइ चढ़ा रह एँतना ऊँचा कि सभन अकासन स उप्पर ताकि उ सब कउनो क अपने संग सम्मूर्ण कइ देइ। 11उ लोगन क कछू प्रेरितन होइ क वरदान दिहेस तउ कछू क नबियन होई क तउ कछू क सुसमाचार क प्रचारक होइके तउ कछू क परमेस्सर क जनन क रच्छक गड़ेरिया अउर सिच्छा क। 12मसीह तउ ओन्हे इ बरदान परमेस्सर क पवित्तर लोगन क सेवा काम क बरे तइयार करइ दिहेस ताकि हम जउन मसीह क देह अही, आतिमा मँ अउर दृढ़ होइ। 13जब तलक कि हम सभन मँ बिसवास मँ अउर परमेस्सर क बेटवा क गियान मँ एकाकार होई क परिपक्क मनई बनई क बरे विकास करत-करत मसीह क पूरा गौरव क ऊँचाई अउर परिपक्कता क न छुइ लेई।

14ताकि हम अइसेन गदेलन न बना रही जउन हर कउनो क अइसेन नई सिच्छा क हवा स उछली जाई। हम पचे उ जहाजे क तरह मनइयन न बना रही जउन लहर स एक कइँती स दूसरी कइँती चला जात हीं। जउन हमरे रस्ता मँ बहत ह, लोगन क दल स भरा व्यवहार स, अइसेन धूर्तता स, जउन ठगन स भरी सब योजना क प्रेरित करत रही, एहर-ओहर भटकाई दीन्ह जात हीं। 15बल्कि हम पिरेम क साथे सच बोलत हर तरह स मसीह क जइसेन बनई क बरे विकास करत जाई। मसीह मस्तक बा अउर हम पचे ओकर देतह अही। 16जेह पर सबहिं देह निर्भर करत ह। इ देह* सबहिं का ओसे जोड़त ह। हर एक सहायक नस स संयुक्त होत ह अउर जब एकर हर अंग जउन काम ओका करई चाहइ, ओका पूरा करत ह। तउ पिरेम क साथे समूची देह क विकास होत ह अउर इ देह खुद मजबूत होत ह।

अइसन जिआ

17मइँ इही बरे इ कहत हउँ अउर पर्भू क साच्छी कइके तोहे चेतावनी देत हउँ कि ओन व्यर्थ क विचारन क साथे अधर्मियन क जइसेन जीवन न जीअत रहा। 18ओनकर बुद्धि अंधकार स भरी बा। उ परमेस्सर स मिलइ वाले जीवन स पूर अहई। काहेकि उ अबोध बा अउर ओनकर मन जड़ होइ गवा बा। 19सरम क भावना ओनमें स जात रही। अउर ओ अपने क इन्द्रियन क बुरे काम मँ लगाई दिहेन। बिना कउनउ बन्धन माने ओ सब तरह क अपवित्रता मँ जुटा हयेन। 20परन्तु मसीह क बारे मँ तू जउन कछू जाने अहा, उ त अइसेन नाहीं बा। 21(मोका कउनउ सन्देह नाहीं बा कि तू ओकरे बारे मँ सुने अहा, अउर उ सच जउन ईसू मँ निवास करत ह, ओकरे अनुसार तोहे ओकर चेलन क रूप मँ सिच्छित कीन्ह गवा बा।) 22जहाँ तलक तोहरे पुराने जीवन प्रकार क सम्बन्ध बा, तोहे सिच्छा दीन्ह गइ रही कि तू अपने पुराना व्यक्तित्व जउन जर्जर होइ रहा बाटइ ओका उतारके फेंका जउन ओकर भटकावइवाली इच्छान क कारण भ्रस्ट बना भआ बा। 23जेहसे बुद्धि अउर आतिमा मँ तोहे नवा कीन्ह जाइ सकई। 24अउर तू उ नवा सरूप क धारण कइ सका जउन परमेस्सर क अनुरूप सचमुस नेक अउर पवित्तर बनवइ बरे रचा गवा बा।

25तउन तू पचे झूठ बोलइ क तियाग कइ द्या। आपस मँ सब कउनो क सच बोलई चाही काहेकि हम सब एक सरीर क अंग अही। 26जब तू क्रोध करा, तब पाप करइ स बचा। तोर किरोध सूरज अस्त होय तक बना न रहइ। 27सइतान क अपने पर हावी न होइ द्या। 28जे चोरी करत

देह मतलब कलीसिया

आवत, उ आगे चोरी न करइ। बल्कि ओका काम करइ
चाही, खुद अपने हाथे स उपयोगी काम। ताकि ओकर पास
जेकर आवस्यकता बा ओकर साथे बाटइ क कछू होइ
सकइ।
29तोहरे मुँहे स कउनउ अनुचित शब्द न निकलइ चाही,
बल्कि लोगन क विकास क बरे जेकर अपेच्छा बा, अइसेन
उतम बातई निकलई चाही, ताकि जे सुनई ओकर ओसे
भला होइ। 30परमेस्सर क पवित्तर आतिमा क दुःखी न करत
रहा काहेकि परमेस्सर क सम्पत्ति क रूप मँ तोह पर
छुटकारा क दिना क बरे आतिमा क साथे मोहर लगाई
दीन्ह गइ बा। 31पूरी कड़वाहट, झुँझलाहट, क्रोध, चीख-
चिल्लाहट अउर निन्दा क तू अपने भीतर स सब तरह क
बुराई क साथे निकारिके बाहर फेंका। 32परस्पर एक दूसरे
क बरे दयालु अउर करुनावान बना। अउर आपस मँ एक
दूसरे क अपराधन क वइसेन ही छमा करा जइसे मसीह क
द्वारा तोहका परमेस्सर छमा किहे अहइ।

ज्योतिर्मय जीवन

5 पिआरे बच्चन क समान परमेस्सर क अनुकरण करा।
2पिरेम क साथे जिआ ठीक वइसेन ही जइसे मसीह
हमसे पिरेम कीहे अहइ अउर अपने आप क, सुगन्धि
सुलगाइके बलि भेंट क रूप मँ हमरे बरे परमेस्सर क
अर्पित कइ दिहे अहइ।
3तोहरे बीच यौन अनाचार अउर हर कउनो तरह क
अपवित्तरता अउर लालच क चर्चा तक न चलइ चाही।
जइसेन कि परमेस्सर क पवित्तर जनन क बरे उचित बाटई।
4तू न तऊ असलील भाखा क प्रयोग होइ चाही, न
मूर्खतापूर्ण बात या भद्दी हँसी ठट्टा। इ तोहरे अनुकूल नाहीं
अहइ। बल्कि तोहरे बीच धन्यबाद ही दीन्ह जाइ।
5काहेकि तू निस्चय क साथे इ जानत ह कि अइसेन
कउनउ भी मनई जउन दुराचारी अहइ, अपवित्तर अहइ अउर
लालची अहइ (जउन एक मूर्तिपूजक होइ जइसा अहइ)
मसीह क अउर परमेस्सर क, राज्य क उत्तराधिकार नाहीं
पाई सकत।
6देखा। तोहे कउनउ सब्दन स केउ छल न लेइ। काहेकि
बुरी बातन क कारण ही आज्ञा क उल्लंघन करइवालन पर
परमेस्सर क कोप होइ क अहइ। 7इही बरे ओनकर साथी न
बना। 8इ मइँ एह बरे कहत हउँ कि एक समइ रहा जब तू
अंधकार स भरा रह्या परन्तु अब तू पर्भू क अनुयायी क
रूप मँ ज्योति स भरापूरा अहा। इही बारे प्रकासित बेटवन
क स आचरण करा। 9हर प्रकार क उत्तम जीवन, नेकी
अउर सत्य मँ ज्योति का प्रतिफल देखाइ पडत ह। 10सब
तरह इ जानइ क जतन करत रहा कि परमेस्सर क का
भावत ह। 11अइसेन काम जउन बुरे बाटेन, अन्धकार मँ
लोग करत हीं ओन्हन बेकार क कामन मँ हिस्सा न बटावा
बल्कि ओनकर भण्डा-फोड़ करा। 12काहेकि अइसेन काम
जेका उ पचे गुपचुप करत हीं। ओनके बारे मँ कीन्ह गइ
चर्चा तक लाज का बात बा। 13ज्योति जब प्रकासित होत ह
तउ सब कछू दृस्यमान होइ जात ह कि उ का अहइ।
14अउर जउन कछू दृश्यमान प्रकास क सामने आवत ह, उ
खुद ज्योति ही बनि जात ह। इही बरे हमार भजन कहत ह:
“जाग अरे, ओ सोवइवाले मउत मँ स जी उठि बइठा,
खुद मसीह प्रकासित होई तोहरे ही सिर बइठी।”
15इही बरे सावधानी क साथे देखत रहा कि तू कइसा
जीवन जिअत अहा। विवेकहीन क स आचरण न करा,
बल्कि बद्धिमान क स आचरण करा। 16जे हर समइ क
अच्छा करम करइ क बरे दीन्ह भए वर्तमान मँ ओकर पूरा
उपयोग करत ह, काहेकि इ दिन बुरा बा। 17मूर्खता स न
रहत रहा बल्कि इ जान ल्या कि पर्भू क इच्छा का अहइ।
18मदिरापान कइके मतवाला जिन बना रहा काहेकि इही स
कामुकता पइदा होत ह। एकरे विपरीत आतिमा स परिपूर्ण
होइ जा।
19आपस मँ भजन, स्तुतिगयान अउर आध्यात्मिक गीतन
क, परस्पर आदान-प्रदान करत रहा। अपने मने मँ पर्भू क
बरे गीत गावत ओकर स्तुति करत रहा। 20हर कीहीउँ बात
क बरे हमार पर्भू ईसू मसीह क नाउँ पइ हमरे परम पिता
परमेस्सर क हमेसा धन्यबाद करा।

पत्नी अउर पति

21मसीह क प्रति सम्मान क कारण एक दूसरे क अरपन
कइ द्या।
22हे पतनियन, अपने-अपने पतियन क बरे अइसेन
समर्पित रहा, जइसेन तू पर्भू क समर्पित होत ह। 23काहेकि
अपने पत्नी क उप्पर ओकर पति ही प्रमुख अहइ। वइसेन
ही जइसे हमार कलीसिया क सिखर मसीह बा। उ खुदई इ
देह क उद्धार करत ह। 24जइसे कलीसिया मसीह क अधीन
बा, वइसेन ही पत्नियन क सब बात मँ अपने-अपने पतियन
क बरे समर्पित करइ चाही।।
25हे पतियन, अपने पत्नियन स पिरेम करा। वइसेन ही
जइसे मसीह कलीसिया स पिरेम किहेस अउर अपने आप
क ओकरे बरे बलि कई दिहेस। 26ताकि उ ओका पर्भू क
सेवा मँ जल मँ स्नान कराइके पवित्तर कई हमार घोसना क
साथे परमेस्सर क अर्पित कइ देई। 27इही तरह उ कलीसिया
क एक अइसेन चमचमात दुलहिन क रूप मँ खुद क बरे
पेस कइ सकत ह, जउन कलंक अउर पापन स मुक्त होइ,
झुरियन स रहित होइ, या जेहमाँ अइसेन अउर कउनउ
कमन होइ। बल्कि उ पवित्तर होइ अउर हमेसा निर्दोस
होइ। 28पतियन क अपने-अपने पत्नियन स उही तरह पिरेम
करइ चाही जइसे उ खुद अपने देह स करत हीं। जे अपने
पत्नी स पिरेम करत ह उ खुद अपेन आप स पिरेम करत
ह। 29केउ अपने देह स तब कभउँ घिरना नाहीं करत,
बल्कि उ ओका पालत-पोसत ह अउर ओकर ध्यान रखत
ह। वइसेन ही जइसे मसीह अपने कलीसिया क, 30काहेकि
हमउ त ओकरी काया क अंग अही। 31पवित्तर सास्तर
कहत ह, “इही बरे एक मनई अपने महतारी बाप क छोड़ि
के अपने पत्नी स बंध जात ह अउर दुन्नउ एक देह होइ
जात हीं।”*

इही … जात हीं” उत्पत्ति 2:24

32इ रहस्यपूर्ण सच बहुत महत्वपूर्ण बा अउर मइँ तोहे
बताइत ह कि इ मसीह अउर कलीसिया पर लागू होत ह।
33तउन कछू भी होइ, तोहमाँ स हर कीहीउँ क अपने पत्नी
स वइसेन ही पिरेम करई चाही जइसे तू खुद अपने आप क
करत अहा। अउर एक पत्नी क आपन पति का डेरात भए
आदर करइ चाही।

बच्चे अउर महतारी-बाप

6 गदेलन, पर्भू मँ आस्था रखत महतारी-बाप क आज्ञा
क पालन करा काहेकि इहइ तरीका पर्भू चाहत बा।
2“अपने महतारी-बाप क सम्मान करा।”* इ पहली आज्ञा
अहइ जउन इ परितिसिया स युक्त बा 3कि “तोहार भला
होई अउर तू धरती पर चिरायु होब्या।”*
4अउर हे पिता लोगो, तू पचे अपने गदेलन क गुस्सा न
दिआवा बल्कि पर्भू स मिली सिच्छा अउर निर्देसन क देत
ओनकर पालन-पोसन करा।

सेवक अउर स्वामी

5हे सेवक लोगो, तू पचे अपने संसारी स्वामियन क
आज्ञा निष्कपट हिरदइ स भय अउर आदर क साथे उही
तरह माना जइसे तू मसीह क आज्ञा मानत ह। 6केवल
कीहीउँ क देखत रहत ही रहा काम न करा जइसे तोहे
लोगन क समर्थन क आवस्यकता होइ। बल्कि मसीह क
सेवक क रूप मँ करा जउन आपन मन लगाइके परमेस्सर
क इच्छा पूरी करत हीं। 7उत्साह क साथे एक सेवक क
रूप मँ अइसेन काम करा जइसे माना तू लोगन, क नाहीं
पर्भू क सेवा करत अहा। 8याद रखा, तोहमें हर एक चाहे
उ सेवक होइ या स्वतंत्र होइ या केउ अच्छा काम करत ह,
तउ पर्भू स ओका पुरस्कार मिली।
9स्वामियन, तू सबहुँ अपने सेवकन क साथे वइसेन ही
व्यवहार करा अउर ओनका डरोवइ धमकावइ छोड़ि द्या।
याद रखा, ओनकर अउर तोहर स्वामी सरगे मँ अहइ अउर
उ कउनउ पच्छपात नाहीं करत।

पर्भू क अभेघ कवच धारण करा

10मतलब इ कि पर्भू मँ स्थित होइके ओकर असीम
सक्ती क साथे अपने आपक सक्तिसाली बनावा। 11परमेस्सर
क सम्पूर्ण कवच क धारण करा। ताकि तू राच्छस (दुस्टन)
क सबइ योजन क सामने टिक सका। 12काहेकि हमार
संघर्ष मनइयन स नाहीं बा, बल्कि सासकन, अधिकारियन,
एक अन्धकार भरा जुग क आकास क सक्तियन अउर
अम्बर क दुस्टात्मिक सक्तियन क साथे बा। 13इही बरे
परमेस्सर क सम्पूर्ण कवच क धारण करा ताकि जब बुरा
दिन आवइ तउ जउन कछू संभव बा ओका कइ चुकइ क
बाद तू दृढतापूर्वक अडिग रहि सका। 14-15तउ अपने
करिहाउँ पइ सत्य क फेंटा कसिके नेकी क झिलम पहिन
क अउर गोड़न मँ सान्ति क सुसमाचार सुनावइ क तत्परता
क पनही धारण कइके तू लोग अटल खड़ा रहा। 16इ
सबसे बड़ी बात इ बा कि विस्व क ढाल क रूप मँ लइ
ल्या। जेकरे द्वारा तू ओन दुस्टन (सइतान) क समस्त
अग्नि बाणन का बुझाई सका, जउन बन्दी क द्वारा छोड़ा
गवा अहइँ। 17उद्धार क बरे क सिरस्त्राण पहिन ल्या अउर
परमेस्सर क सँदेसा रूपी आतिमा क तलवार उठाइ ल्या।
18सब तरह क पराथना अउर निवेदन सहित आतिमा क
सहायता सब अवसर पर विनती करत रहा। एह लच्छ स
सभन प्रकार क यत्न करत सावधान रहा। अउर सभन सन्तन
क बरे पराथना करा।
19अउर मोरे बरे पराथना करा कि मइँ जब आपन मुँह
खोलउँ, मोका एक सुसंदेस मिलइ ताकि निर्भयता क साथ
सुसमाचार क रहस्य भरा सच क, परगट कइ साकउँ।
20इही बरे मइँ जंजीर मँ जकड़ा भआ राजदूत क समान सेवा
करत हउँ। पराथना करा कि, जेह तरह मोका बोलइ चाही
उही तरह निर्भयता क साथे सुसमाचार क प्रबचन कइ
सकउँ।

अन्तिम नमस्कार

21तूहउ, मइँ कइसेन हउँ अउर का करत हउँ, एका जान
जा। सो तुखिकुस तोहे सबन कछू बताइ देई। इ हमार
पिआरा बंधु अहइ अउर पर्भू मँ स्थित एक बिसवासपूर्ण
सेवक अहइ।
22इही बरे मइँ ओका तोहरे लगे भेजत हउँ ताकि तू मोर
समाचार जानि सका अउर इही बरे कि उ तोहरे मने क
सान्ति देइ सकइ।
23भाइयो, तू सबे क परमपिता परमेस्सर अउर पर्भू ईसू
मसीह कइँती स सान्ति, पिरेम अउर बिसवास मिलइ।
24जउन हमरे पर्भू ईसू मसीह स अमर पिरेम रखत हीं, ओन
पइ परमेस्सर क अनुग्रह होत ह।

“अपने … करा” निर्ग. 20:12; व्यवस्था. 5:16

“तोहार … होब्या” निर्ग. 20:12; व्यवस्था. 5:16